समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

अध्ययन बताता है क्यों भारत मे ज्यादातर वाहन लॉन्चिंग समय से चूक जाते है ˙

Sanket Morankar Published on 13 Sep 2025

भारत में वाहन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अक्सर देखा गया है कि **नई कारों और बाइकों की लॉन्चिंग निर्धारित समय पर नहीं हो पाती।** एक नए अध्ययन के अनुसार, इसके पीछे कई गहरे और संरचनात्मक कारण हैं। यह न सिर्फ वाहन निर्माताओं के लिए बल्कि ग्राहकों और निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

🔍 मुख्य कारण: उत्पादन और सप्लाई चेन

सबसे बड़ा कारण है **उत्पादन और सप्लाई चेन की समस्याएँ।**

- नई कार या बाइक का उत्पादन कई चरणों में होता है, जिसमें विभिन्न हिस्सों का निर्माण, असेंबलिंग और क्वालिटी चेक शामिल है।
- किसी भी स्टेज पर देरी पूरे लॉन्च शेड्यूल को प्रभावित कर सकती है।
- खासकर सेमीकंडक्टर चिप्स और इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स की कमी पिछले कुछ वर्षों में कई वाहनों की लॉन्चिंग देरी का प्रमुख कारण रही है।

🔍 नियामक और लाइसेंसिंग चुनौतियाँ

भारत में वाहनों को लॉन्च करने से पहले **सरकारी अनुमोदन और रजिस्ट्रेशन** की प्रक्रिया पूरी करनी होती है।

- भारत में एमिशन स्टैंडर्ड (BS-VI/BS-VII) और सुरक्षा मानकों के तहत टेस्टिंग की आवश्यकता होती है।
- नियामक औपचारिकताएँ और मानकों में बदलाव वाहन लॉन्च की समय-सीमा को प्रभावित करते हैं।

🔹 मार्केटिंग और रणनीति कारक

कंपनियाँ कभी-कभी जानबूझकर लॉन्च को आगे बढ़ा देती हैं।

- यह बिक्री, प्रचार अभियान और प्रतियोगियों के लॉन्च को ध्यान में रखकर किया जाता है।
- कई बार कंपनियाँ अपने प्रोडक्ट को **मौसमी मांग या त्योहारों** के समय पर लॉन्च करना चाहती हैं, जिससे डेडलाइन मिस हो जाती है।

🔹 तकनीकी जटिलताएँ और R&D देरी

आज के वाहन सिर्फ इंजन और बॉडी तक सीमित नहीं हैं।

- इलेक्ट्रिक वाहन (EVs) और हाई-टेक कारों में सॉफ्टवेयर, बैटरी, और AI-सिस्टम की टेस्टिंग शामिल है।
- नई तकनीक की जटिलताएँ और सुधार प्रक्रिया समय लेती है, जिससे निर्धारित लॉन्च डेट से चूक होती है।

🔹 अध्ययन के निष्कर्ष

हाल ही में किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि भारत में **लगभग 60% वाहन लॉन्च** प्रारंभिक समय से पीछे हो जाते हैं।

- मुख्य वजह: उत्पादन देरी, सप्लाई चेन रुकावट, नियामक प्रक्रिया, और मार्केट रणनीति।
- विशेषज्ञ कहते हैं कि कंपनियों को **बेहतर प्लानिंग, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन मैनेजमेंट** अपनाना चाहिए।

🔹 ग्राहकों और निवेशकों पर प्रभाव

डेडलाइन मिस होने से ग्राहकों और निवेशकों में निराशा होती है।

- ग्राहकों को नई कार के इंतजार में समय और पैसा दोनों खर्च करना पड़ता है।
- निवेशकों के लिए यह कंपनी की **ऑपरेशन और लॉजिस्टिक दक्षता** पर सवाल उठाता है।
- कई बार प्रतियोगी कंपनियाँ इस मौके का फायदा उठाकर मार्केट शेयर बढ़ा लेती हैं।

भारत में वाहन लॉन्च की देरी कोई नई बात नहीं है।

- उत्पादन और सप्लाई चेन, तकनीकी जटिलताएँ, नियामक प्रक्रियाएँ और मार्केट रणनीति मिलकर इसे प्रभावित करती हैं।
- विशेषज्ञों का कहना है कि बेहतर प्रबंधन और डिजिटलाइजेशन से कंपनियाँ समय पर लॉन्च कर सकती हैं।
- भविष्य में ग्राहक और निवेशक भी इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर अपने निर्णय ले सकते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.